https://www.upboardonline.com/

कक्षा- 11

वाणिज्य वर्ग

व्यवसाय अध्ययन

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

भाग-1. व्यवसाय के आधार-

इकाई-2

(ii) व्यवसायिक सेवाएँ -

सेवाओं की प्रकृति एवं प्रकार, बैंकिंग - आशय, बैंकों के प्रकार, वाणिज्यक बैंक के कार्य, ई-बैंकिंग, बीमा - आधारभूत सिद्धान्त कार्य एवं प्रकार।

सम्प्रेषण सेवाएँ - डाक सेवा, टेलीकॉम सेवा, परिवहन। भंडारण एवं भंडार गृहों के प्रकार।

इकाई-3

(ii) व्यवसाय का सामाजिक उत्तरदायित्व एवं व्यवसायिक नैतिकता:-

सामाजिक उत्तरदायित्व - अवधारणा, आवश्यकता, पक्ष एवं विपक्ष में तर्क। सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रकार। प्रदूषण के प्रकार। पर्यावरण संरक्षण में व्यवसाय की भूमिका।

व्यवसायिक नैतिकता - अवधारणा एवं तत्व।

भाग-2. व्यवासायिक संगठन, वित्त एवं व्यापार-

इकाई-6

(ii) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार-2:-

आयात-निर्यात प्रक्रिया, आयात-निर्यात में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख प्रलेख। विश्व बैंक एवं विश्व बैंक के कार्य तथा इसकी सहयोगी संस्थाएँ।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कक्षा- 11

वाणिज्य वर्ग

व्यवसाय अध्ययन

100 अंक

भाग-1. व्यवसाय के आधार-		भारांश
इकाई-1		
(i)	व्यवसाय की प्रकृति और उद्देश्य	18
(ii)	व्यवसायिक संगठन की प्रकृति	

Downloaded From official website on dt 12-Nov-2021

https://www.upboardonline.com/

इकाई-2		
(i)	निजी, सार्वजनिक एवं भूमण्डलीय उपक्रम	16
इकाई-3		
(i)	व्यवसाय की उभरती पद्धतियाँ	16
<u>भाग-2.</u>	**<u>व्यवासायिक संगठन, वित्त एवं व्यापार-</u>**	
इकाई-4		
(i)	कंपनी निर्माण	16
(ii)	व्यावसायिक वित्त के स्रोत	
इकाई-5		
(i)	लघु व्यापार	16
(ii)	आंतरिक व्यापार	
इकाई-6		
(i)	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार-1	18
योग		**100**

<u>भाग-1-</u> **<u>व्यवसाय का आधार-</u>**

इकाई-1 **18 अंक**

(i) व्यवसाय की प्रकृति एवं उद्देश्यः-

व्यवसाय की अवधारणा, व्यवसायिक क्रियाओं की विशेषताएं - व्यवसाय पेशा एवं रोजगार में अन्तर, व्यवसायिक क्रियाओं का वर्गीकरण - उद्योग, वाणिज्य, व्यापार एवं व्यापार की सहायक क्रियाएं, व्यवसाय के उद्देश्य।

(ii) व्यवसायिक संगठन के प्रकृतिः-

एकल स्वामित्व - आशय, लक्षण, गुण एवं सीमाएं।

संयुक्त हिन्दु परिवार व्यवसाय - आशय, लक्षण, गुण एवं सीमाएं। साझेदारी - आशय, लक्षण, गुण, सीमाएं, प्रकार, संलेख, पंजीकरण तथा साझेदारों के प्रकार।

सहकारी समितियाँ - आशय, लक्षण एवं प्रकार।

संयुक्त पूंजी कंपनी - आशय, लक्षण, गुण तथा सीमाएं, सार्वजनिक एवं निजी कंपनी।

Downloaded From official website on dt 12-Nov-2021

https://www.upboardonline.com/

इकाई-2 **16 अंक**

(i) निजी, सार्वजनिक एवं भूमण्डलीय उपक्रमः-

निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र - सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के स्वरूप - विभागीय उपक्रम, वैधानिक निगम, सरकारी कंपनियाँ।

भूमण्डलीय उपक्रम - विशेषताएँ, संयुक्त उपक्रम।

इकाई-3 **16 अंक**

(i) व्यवसाय की उभरती पद्धतियाँ:-

ई-व्यवसाय, ई-व्यवसाय बनाम ई-कॉमर्स, ई-व्यवसाय का कार्य क्षेत्र, ई-व्यवसाय के लाभ एवं सीमाएँ। ऑनलाइन लेन-देन। ई-व्यवसाय जोखिम। बाह्यस्रोतिकरण (Outsourcing) - संकल्पना/अवधारणा, कार्यक्षेत्र एवं आवश्यकता।

<u>भाग-2-</u> **<u>व्यवसायिक संगठन वित्त एवं व्यापार -</u>**

इकाई-4 **16 अंक**

(i) कंपनी निर्माण:-

कंपनी का प्रवर्तन, समामेलन एवं व्यवसाय का प्रारम्भ, पूंजी अभिदान, प्रमुख प्रलेख - सीमा नियम एवं अंतः नियम।

(ii) व्यवसायिक वित्त के स्रोतः-

व्यवसायिक वित्त का अर्थ, प्रकृति, एवं महत्व। कोष के स्रोतों का वर्गीकरण। विशिष्ट वित्तीय संस्थाएं, अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीयन।

इकाई-5 **16 अंक**

(i) लघु व्यवसाय:-

लघु व्यवसाय का अर्थ तथा प्रकृति, भारत में लघु व्यवसाय की भूमिका, समस्याएँ। सरकार द्वारा प्राप्त लघु व्यवसायिक सहायताएँ (संस्थागत सहयोग)।

(ii) आंतरिक व्यापारः-

परिचय, थोक व्यापार एवं थोक विक्रेताओं की सेवाएँ। फुटकर व्यापार, फुटकर व्यापारियों की सेवाएँ।

फुटकर व्यापार के प्रकार - भ्रमणशील फुटकर विक्रेता एवं स्थायी दुकानदार (विभागीय भंडार, श्रृंखलाबद्ध भंडार, डाक आदेश गृह, उपभोक्ता सहकारी भंडार, सुपर बाजार, विक्रय मशीन)। इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री का आंतरिक व्यापार के संवर्धन में भूमिका।

Downloaded From official website on dt 12-Nov-2021

https://www.upboardonline.com/

इकाई-6 **18 अंक**

(i) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार-1:-

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का अर्थ, घरेलू व्यवसाय एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय में अन्तर, अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय के काम।

आयात एवं निर्यात व्यापार - आशय, लाभ, सीमाएं।

संयुक्त उपक्रम - लाभ एवं हानियाँ।

Downloaded From official website on dt 12-Nov-2021